राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
सहायक आचार्य – हिन्दी, संस्कृत शिक्षा विभाग के पदों हेतु प्रतियोगी परीक्षा का पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न–पत्र

इकाई–1 – हिन्दी भाषा तथा व्याकरण

हिन्दी भाषा का उद्‌भव एवं विकास, हिन्दी भाषा की प्रमुख बोलियाँ– राजस्थानी, ब्रज, खड़ी बोली, अवधी, भोजपुरी । राजस्थानी भाषा का प्राचीन स्वरूप– डिंगल; राजस्थानी भाषा की प्रमुख बोलियाँ, मारवाड़ी, मेवाती, ढूँढाड़ी, हाड़ौती, मेवाड़ी, वागड़ी।
राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति तथा मानक हिन्दी। देवनागरी लिपि की विशेषताएं तथा मानकीकरण।
हिन्दी व्याकरण– मानक वर्णमाला, शब्द तथा शब्द निर्माण– उपसर्ग, प्रत्यय, संधि (स्वर, व्यंजन), समास, वाक्य एवं वाक्य भेद, शब्द शुद्धि एवं वाक्य शुद्धि।
शब्द के व्याकरणिक प्रकार– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, सम्बंधसूचक अव्यय, समुच्चयबोधक अव्यय।

इकाई–2– भारतीय काव्यशास्त्र

काव्य– परिभाषा, काव्य लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन, साहित्य का स्वरूप।
भारतीय काव्यशास्त्र– रस सिद्धांत तथा साधारणीकरण, रस निष्पत्ति, ध्वनि सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत , अलंकार सिद्धांत।
अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, संदेह, भ्रांतिमान, विभावना, वयण सगाई, अपन्हुति।
छंद– दोहा, चौपाई, सोरठा, उल्लाला, छप्पय, कुंडलियां, गीतिका, हरिगीतिका, मंदाक्रांता, द्रुतविलंबित, कवित्त।

इकाई–3– पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्लेटो का काव्य सिद्धान्त ।
अरस्तू का काव्य सिद्धान्त– अनुकरण, विरेचन और त्रासदी; लौंजाइनस – उदात्त सिद्धान्त; क्रोचे– अभिव्यंजना सिद्धान्त; कॉलरिज – कल्पना सिद्धान्त; टी.एस. एलियट – परंपरा एवं निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त, मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन, उत्तर आधुनिकतावाद तथा विखण्डनवाद।

इकाई–4– आदिकाल एवं मध्यकालः निर्धारित पाठ

- पृथ्वीराज रासो (पद्‌मावती समय) – चंदबरदाई, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
- कबीर ग्रन्थावली – (सं. श्यामसुन्दर दास) – आरंभिक 20 पद, साखियाँ– गुरु कौ अंग एवं विरह कौ अंग (प्रकाशक – नागरी प्रचारणी सभा – वाराणसी)
- मीराँ पदावली – सं0 डॉ0 शम्भुसिंह मनोहर (प्रका0 रिसर्च पब्लिकेशनस, जयपुर)
- भ्रमरगीत सार – (सं. रामचन्द्र शुक्ल) – 21 से 50 पद (प्रकाशक – नागरी प्रचारणी सभा – वाराणसी)

- जायसी ग्रन्थावली – नागमती वियोग खंड (सं. रामचन्द्र शुक्ल) (प्रकाशक – नागरी प्रचारणी सभा – वाराणसी)
- कवितावली – तुलसीदास – पद संख्या 65 से 110 (नाम– विश्वास, कलि–वर्णन, राम–नाम–महिमा) (प्रकाशक – गीता प्रेस, गोरखपुर)
- बिहारी रत्नाकर – (सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर) – आरंभिक 25 दोहे (प्रका0 गंगा पुस्तकमाला कार्यालय, लखनऊ)
- घनानंद कवित्त – (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) – 1 से 25 तक छंद (प्रका0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी)

इकाई–5 – आधुनिक कालः निर्धारित पाठ

- कामायनी – जयशंकर प्रसाद (चिंता तथा श्रद्धा सर्ग)
- राम की शक्ति पूजा – सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- अंधेरे में – गजानन माधव मुक्तिबोध
- गोदान – प्रेमचन्द
- महाभोज (उपन्यास) – मन्नू भण्डारी
- आधे–अधूरे – मोहन राकेश
- निबंध– श्रद्धा और भक्ति (रामचन्द्र शुक्ल), नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी), राघवः करुणो रसः (कुबेरनाथ राय)।
- कहानियाँ – उसने कहा था (चंद्रधर शर्मा गुलेरी), कफ़न (प्रेमचन्द), पुरस्कार (जयशंकर प्रसाद), रोज़ (अज्ञेय), गदल (रांगेय राघव), परायी प्यास का सफर (आलमशाह खान), सलाम (ओमप्रकाश वाल्मीकि), आपकी छोटी लड़की (ममता कालिया)।
- यात्रा वृत्तान्त : सौंदर्य की नदी नर्मदा – अमृतलाल वेगड़

****

Note: - <u>Pattern of Question Paper</u>

1. **Objective type paper**
2. **Maximum Marks: 75**
3. **Number of Questions: 150**
4. **Duration of Paper: Three Hours**
5. **All questions carry equal marks.**
6. **There will be Negative Marking.**